

शिक्षक सशक्तिकरण कार्यक्रम

1. सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए कार्यनीतिक नेतृत्व कार्यक्रम।
2. आईआईएम बंगलौर (9वां और 10वां कार्यक्रम)

उद्देश्य

- सीबीएसई द्वारा आरम्भ किए गए विद्यालय सुधारों के संदर्भ में विद्यालय प्रणाली में परिवर्तन की व्यवस्था और शुरुआत जैसे अंकों को ग्रेडों में बदलना, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई), निर्धारण के भिन्न-भिन्न तरीके, रचनात्मक एवं सारांशात्मक निर्धारण के लिए, बहुप्रयोजन बौद्धिक संकल्पनात्मक ढांचा की नवप्रवर्तनकारी विधियों को समाविष्ट करना।
- सीबीएसई के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और पहलों को प्रासंगिक बनना जैसे व्यापक विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम, जीवन कौशल कार्यक्रम, किशोर शिक्षा कार्यक्रम और सीसीई की शुरुआत के अलावा कार्यक्रम में निर्धारण एवं विद्यालयों के प्रयोजनमूलक क्षेत्रों की देख-रेख करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियां और प्रक्रियाओं का विकास करना जैसे वित्तीय प्रबंधन और संसाधन संग्रह, मानव संसाधनों का प्रबंधन और अंतरवैयक्तिक संबंध तथा विरोधों का समाधान।
- विद्यालयों के प्रयोजनमूलक क्षेत्रों की देखरेख करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियां और प्रक्रियाओं का विकास करना जैसे वित्तीय प्रबंधन और संसाधन, संग्रह, मानव संसाधनों का प्रबंधन और अंतरवैयक्तिक संबंध तथा विरोधों का समाधान।

Teacher Empowerment Programmes

1. Strategic Leadership Programme for the Principals
2. IIM Bangalore (Ninth & Tenth Programme)

Objectives

- Introducing and managing change within the school system in the context of school reforms initiated by CBSE such as replacing marks with grades, Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE), different modes of assessment - formative & summative assessment, incorporating multiple intelligence conceptual framework for assessment and innovative ways of transaction.
- Contextualising the initiatives and flagship programmes of CBSE such as Comprehensive Schools Health Programmes, Life Skills Programmes, Adolescent Education Programmes and Introduction of CCE as well as other alternative modes of assessment in the programme.
- Developing systemic strategies and processes for managing key functional areas in schools, such as financial management and resource mobilization, management of human resources and interpersonal relations and resolution of conflicts.

- शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए आंकने की उपयुक्त प्रणाली की पहचान करना और कार्यान्वयन करना और प्रतिपुष्टि का मूल्यांकन करना ।
- वर्तमान शिक्षा प्रणाली में मूल्य प्रणाली और संस्कृति की स्थिति: विकल्पों की पहचान करना एवं चयन विकसित करना ।
- व्यक्तिगत संवृद्धि (बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक) एवं संगठनात्मक विकास प्राप्त करना ।
- विद्यालयों के प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका ।
- Identifying and implementing suitable systems of appraisal and evaluation of feedback for teachers and staff.
- Place of value systems and culture in the present educational system: identifying options and evolving choices.
- Achieving personal growth (intellectual, educational and social) and organisational development.
- Role of technology in management of schools.

क्रम सं. S. No.	दिनांक Dates	सहभागियों की संख्या No. of Participants
1.	3 जनवरी से 7 जनवरी, 2011 3rd to 7th January, 2011	17
2.	14 फरवरी से 18 फरवरी, 2011 14th to 18th February, 2011	26

आईआईएम-कोजीकोड में प्रबंधन विकास कार्यक्रम 'लीडिंग स्कूल' (तीसरा कार्यक्रम)

उद्देश्य:

- भविष्य के विद्यालय: 21वीं सदी के लिए विद्यालयों के पुनर्निर्माण की चुनौती
- एक विद्यालय के गुणों का कुटवाचन जो पथप्रदर्शन करता है ।
- अध्यापन और अधिगम तथा अधिगम उत्कृष्टता को कैसे उत्पन्न करें ।
- साझा अर्थ और साझा मूल्यों पर आधारित एक अधिगम समुदाय कैसे उत्पन्न करें ।

Management Development Programme 'Leading Schools' at IIM-Kozhikode (Third Programme)

Objectives:

- Schools of the future: the challenge of reshaping schools for the 21st century.
- Decoding the attributes of a school that leads.
- How to bring about teaching and learning excellence.
- How to create a learning community based on shared meaning and values.

- व्यक्तिगत प्रभावकता के लिए एक खाका (ब्लूप्रिंट) का बनना।
- How to create a blueprint for personal effectiveness.

क्रम सं. S. No.	दिनांक Dates	सहभागियों की संख्या No. of Participants
1.	21 से 23 अप्रैल, 2011 21st to 23rd April, 2011	36

एनयूईपीए

सीबीएसई पिछले दशक से एनयूईपीए के सहयोग से प्रधानाचार्यों के लिए सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस श्रृंखला में प्रथम कार्यक्रम 2006 में प्रारम्भ हुआ था जो एक समयावधि के बाद तक सफलतापूर्वक जारी रहा है। बोर्ड ने संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक प्रशासन 11वें प्रबंधन विकास कार्यक्रम नवम्बर 29 से 3 दिसम्बर 2010 तक एनयूईपीए के सहयोग से नई दिल्ली में आयोजित किया जिसमें 33 प्रधानाचार्यों ने भाग लिया।

“स्वास्थ्य नियम पुस्तिका” का परिशोधन

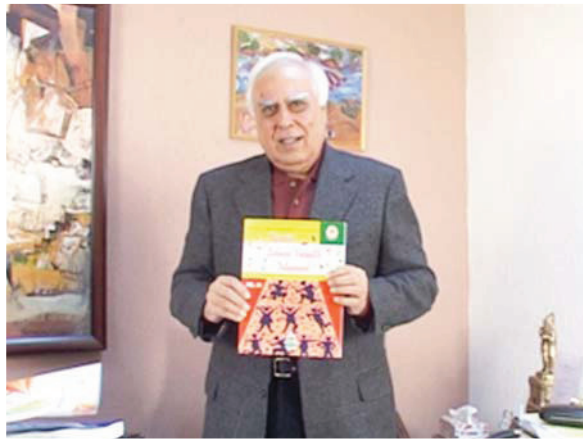
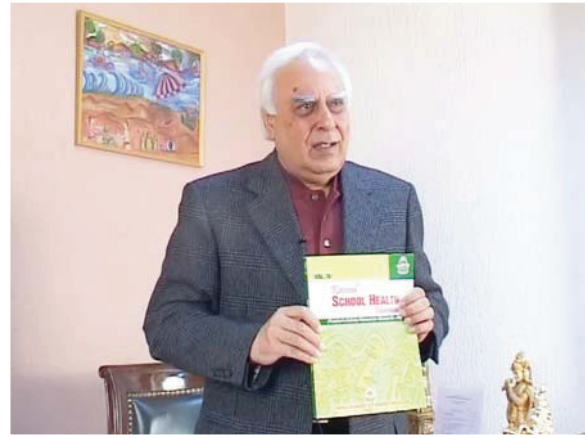
स्वास्थ्य नियम पुस्तिका के चार खण्डों का परिशोधन किया गया जिसमें स्वच्छता और स्वास्थ्यकारिता, पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं और स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा के संदर्भ में सीसीई, ईको क्लब, स्वास्थ्य क्लब, वैज्ञानिक कौशल, सीसीई, स्कूल आधारित निर्धारण प्रमाणपत्र और पीईसी कार्ड संबंधी मामले शामिल किये गये। स्वास्थ्य नियम पुस्तिका में बाल चिकित्सा मामले शामिल करने के लिए ट्रामा सेंटर के विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया। संशोधित नियम पुस्तिकों का औपचारिक प्रमोचन माननीय मानव संसाधन विकास, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल, भारत सरकार द्वारा किया गया।

NUEPA

The CBSE has been organizing empowerment programmes for principals in collaboration with NUEPA for the last decade. The board conducted the Eleventh Management Development Programme on Leadership in educational administration for the Principals of schools, from November 29 to 03 December, 2010 in collaboration with NUEPA, New Delhi in which 33 Principals participated.

Revision of “Health Manuals”

Four volumes of Health Manuals are being revised to include issues regarding sanitation, hygiene, environmental protection, safety, emergency medical services, CCE in context of Health and Physical Education, Eco Clubs, Health Clubs, Scientific Skills, CCE School based assessment certificate and PEC cards in the Health Manuals. Meetings with experts from AIIMS Trauma Centre have been held to discuss the inclusion of pediatric medical emergency issues in the Health Manuals. The revised Manuals were formally launched by Shri Kapil Sibal Honourable Minister of Human Resource Development, communication and IT Govt. of India.



मास मीडिया अध्ययन (शैक्षणिक वैकल्पिक)

इस शैक्षणिक वर्ष से व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनैशनल के सहयोग से कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए शैक्षणिक वैकल्पिक मास मीडिया अध्ययन कोर्स आरंभ किया गया। इस कोर्स का औपचारिक प्रमोचन माननीय मानव संसाधन विकास, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री कपिल सिब्बल, भारत सरकार द्वारा दिनांक 19 जुलाई, 2010 को किया गया था।

Mass Media Studies (Academic Elective)

An Academic Elective, 'Mass Media Studies' for the students of classes XI and XII has been introduced from this academic year in collaboration with Whistling Woods International. The course was formally launched by Shri Kapil Sibal Honourable Minister of Human Resource Development, Communication and Information Technology Govt. of India on 19th July 2010.



उर्दू भाषा के अध्यापकों का प्रशिक्षण

उर्दू अध्यापकों के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 मार्च को आयोजित किया गया था जिसमें 75 स्कूलों के 85 उर्दू अध्यापकों ने भाग लिया। बोर्ड ने उर्दू अध्यापकों के लिए सतत एवं व्यापक मूल्यांकन पर एक पुस्तक का प्रकाशन किया है, जिसका विमोचन अध्यक्ष सीबीएसई श्री विनीत जोशी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में किया।

सीबीएसई अन्तर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम

सीबीएसई द्वारा एक अन्तर्राष्ट्रीय पाठ्यचर्या सीबीएसई-आई की शुरुआत की गई है जिसे वर्ष 2009 में कक्षा-1 और 9 के लिए मध्यपूर्व तथा दक्षिण एशिया में 29 विद्यालयों के समूह में मार्गदर्शी परियोजना के रूप में लागू किया गया था और इस शैक्षिक सत्र 2010-11 से कक्षा-2, 6 तथा 10 तक बढ़ाया गया। बोर्ड इसके लगातार समीक्षा करेगा और विदेशों में दूसरे विद्यालयों तक आगे बढ़ाएगा और अगले चरण में भारतीय स्कूलों का चयन करेगा।

Training of Urdu Language Teachers

A training programme on Continuous and Comprehensive Evaluation for Urdu teachers was held on March 12 in which 85 Urdu teachers from 75 schools participated. The Board has also brought out a book on Continuous and Comprehensive Evaluation for Urdu teachers which was released by the Chairman CBSE Shri Vineet Joshi in the training programme.

CBSE International Curriculum

The CBSE has introduced an international curriculum or CBSE-i which was operationalised in a group of 29 schools in Middle East and South-Asia as a pilot project for Classes I and IX in the year 2009 and from this academic session i.e. 2010-2011 it has been further extended to Classes II, VI and X. The Board will continue to review and extend it to other schools abroad and to select Indian schools in the next phase.

सीबीएसई-आई पाठ्यचर्या में अध्यापन सक्षमता सशक्तिकरण पर बोर्ड ने अपनी दूसरी कार्यशाला दिनांक 16-18 अप्रैल 2011 तक इण्डियन हाई स्कूल दुबई में आयोजित की। इस कार्यक्रम में 30 स्कूलों के कक्षा 1, 2, 6, 9 और 10वीं के 187 सहभागियों (प्रधानाचार्यों, समन्वयकों तथा अध्यापकों) ने भाग लिया। सीबीएसई ने अध्यापकों और विद्यालयों से अन्तः क्रिया करने के लिए अपना पोर्टल (www.cbse.international.com) भी विकसित किया।

बोर्ड इस शैक्षिक वर्ष से केवल कक्षा 9 के छात्रों के लिए एक मार्गदर्शी की तरह सीबीएसई-आई निष्पादन विश्लेषण परीक्षा (पीएटी) आयोजित कर रहा है जोकि एक अनर्हक परीक्षा है। सीबीएसई-आई पीएटी केवल अंग्रेजी, गणित और विज्ञान विषयों में आयोजित की जा रही प्रस्तावित परीक्षा मई 2011 में होगा। संबंधित विद्यालयों द्वारा आयोजित की जा रही स्कूल आधारित (एसबीए) के अतिरिक्त होगी और सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी।

किशोर शिक्षा कार्यक्रम

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अंतर्गत अपने संबद्ध विद्यालयों में सह-पाठ्येतर क्रियाकलापों के भाग के रूप में कक्षा 9 से आगे माध्यमिक स्तर पर किशोर शिक्षा कार्यक्रम लागू कर रहा है।

सीबीएसई बोर्ड से संबंधित 11,100 से अधिक प्राइवेट गैर सहायता प्राप्त स्कूलों में एईपी लागू कर रहा है। 2005-2010 के दौरान 5080 स्कूलों को पहले से ही प्रशिक्षित किया जा चुका है।

The Board conducted its IInd Workshop on Strengthening Teaching Competence in CBSE-i curriculum from 16th – 18th April, 2011 at Indian High School, Dubai. 187 participants (Principals, Coordinators and Teachers) from Classes I, II, VI, IX and X from 30 schools attend the programme. The CBSE has also developed its portal (www.cbse-international.com) to interact with the teachers and schools.

From this academic year the Board is conducting CBSE-i Performance Analysis Test (PAT) for the students of Class IX only as a pilot which is a non qualifying online tests. The CBSE-i PAT will be conducted only in the subjects of English, Mathematics and Science. The proposed test is likely to be conducted in the month of May in 2011. This test will be in addition to the School Based Assessment (SBA) being conducted by the respective schools and would be compulsory for all the learners.

Adolescence Education Programme

The Central Board of Secondary Education, under the directions of the MHRD is implementing the Adolescence Education Programme at secondary level from class IX onwards as part of the co-curricular activities in schools affiliated to it.

The CBSE is implementing AEP in more than 11100 private unaided schools affiliated to the Board. 5080 schools have already been covered since 2005-2010.

प्रधानाचार्यों एवं अध्यापकों को सशक्त करने का उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बाद स्कूलों में एईपी से संबंधित क्रियाकलापों का आयोजन किया जाये। मूल उद्देश्य जीवन कौशलों के माध्यम से किशोरों तक पहुंचना है।

किशोर शिक्षा कार्यक्रमों के संशोधित उद्देश्य:

- सह-पाठ्येतर क्रियाकलापों (सीसीए) के माध्यम से किशोरों की चिंताओं का सामना करने और समझने के लिए मूल्य वर्धित जीवन कौशलों का विकास करना।
- छात्रों को बढ़ने की प्रक्रिया, एचआईवी/एड्स और शारीरिक उत्पीड़न के बारे में उचित जानकारी उपलब्ध कराना।
- बढ़ने की प्रक्रिया, एचआईवी/एड्स और शारीरिक उत्पीड़न के प्रति उत्तरदायी व्यवहार और स्वस्थ दृष्टिकोण का विकास करना।
- लिंग रूढ़िवादित और पूर्वाग्रहों का सामना करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना

किशोर शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से बोर्ड सशक्त किशोरों की कल्पना करता है जो व्यक्तिगत व सार्वजनिक जीवन में सही विकल्प का चयन कर सकें और सूचना, शिक्षा और सेवा के माध्यम से सृजनात्मक और उत्तरदायी व्यवहार को बढ़ावा दे सकें।

प्रयोग किए जा रहे प्रशिक्षण पैकेज:

1. एडवोकेसी मैनुअल (प्रधानाचार्यों फेसिलिटेटरों के लिए)
2. फेसिलिटेटर हैंडबुक (संसाधकों और अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु)
3. अध्यापक कार्यपुस्तिका (छात्र क्रियाकलाप के लिए)
4. संदर्भ सामग्री (संसाधकों/नोडल अध्यापकों/अभिजात्य शिक्षकों के लिए)

The objective of empowering principals and teachers is to ensure that activities related to AEP are conducted in schools after the training programmes. The ultimate objective is to reach out to adolescents through the Life Skills Approach.

The modified objectives of Adolescence Education Programmes (AEP) are:

- To develop value enhanced Life Skills for coping and managing concerns of Adolescence through co-curricular activities (CCA).
- To provide accurate knowledge to students about process of growing up, HIV/AIDS and Substance Abuse.
- To develop healthy attitudes and responsible behaviour towards the process of growing up, HIV/AIDS and Substance Abuse.
- To enable them to deal with gender stereotypes and prejudices.

Through Adolescent Education Programme, Board envisions empowered adolescents, who can make informed choices in personal and public life and promoting creative and responsible behavior through information, education and service.

Training Package being used:

1. Advocacy Manual (for Principals Facilitators)
2. Facilitator's Handbook (for Training of Resource Persons and Nodal Teachers)
3. Teacher's Workbook (for Student Activities).
4. Reference Material (for Resource Persons / Nodal Teachers / Peer Educators)

इस वर्ष एईपी के तहत महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उड़ीसा और बिहार में संसाधकों का एक नया पूल सृजित करने के लिए बोर्ड ने मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया और 134 नए मास्टर प्रशिक्षक तैयार किए। एमटीटी के अलावा बोर्ड ने 14 नोडल शिक्षक प्रशिक्षण और 14 एडवोकेसी प्रोग्राम आयोजित किए जिसमें 775 शिक्षकों और 511 प्रधानाचार्यों को बढ़ते किशोर भावनाओं से निपटना, तनाव को कम करना, व्यक्तिगत विश्वास और मत को सुदृढ़ बनाना, गुस्से पर काबू पाना सीखना, सही निर्णय लेना, भावनाओं को समझना और व्यक्तिगत मतभेदों का आदर करना और जीवन कौशल अधिगम के द्वारा लिंग रूढ़िवादी धारणा और पुर्वाग्रहों से निपटने के बारे में किशोर चिंताओं के मुद्दों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

This year under AEP in order to create a new pool of resources in: Maharashtra, Rajasthan, MP, Orissa and Bihar the Board organized Master Trainers Training Programmes and prepared 134 new Master Trainers. Apart from MTT Board also organized 14 Nodal teacher training and 14 Advocacy Programmes in which 775 teachers and 511 Principals were trained on the issues of the adolescent concerns about adolescents growing up, managing stress, Strengthening Personal Beliefs and Opinions, Learning to Deal with Anger, Making Informed Decisions, Dealing with Emotions and respecting individual differences and dealing with gender stereotypes and prejudices through the life skills approach.

2005–2009 से एईपी
AEP since 2005 to 2010

कार्यक्रम आयोजित Programmes Held	2005	2006	2007	2008	2009	2010	कुल Total Prog.	स्कूलों की संख्या No. of Schools
नोडल अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम Nodal Teachers Training Programmes	0	16	49	32	28	14	775 प्रशिक्षित शिक्षक Trained Teachers	139 4946
एडवोकेसी कार्यक्रम Advocacy Programmes	03	16	48	32	28	14	511 परिक्षित प्रधानाचार्य Trained Principals	141
मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम Master Trainers Programmes	0	02	08	0	01	05	134 मास्टर प्रशिक्षण प्रधानाचार्य Trained Master Trainers	16 134
योग Total	03	34	105	64	57	33	1420	296 5080

गणितीय ओलम्पियाड

गणित में प्रतिभा को पहचानने, प्रेरित करने और पोषण करने के लिए भिन्न-भिन्न संगठनों द्वारा राज्य, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गणितीय ओलम्पियाड प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथमैटिक्स (एनबीएचएम) द्वारा 1997 में जो एक स्वतंत्र समूह का दर्जा प्रदान करने के बाद, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली, अपने संबद्ध स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए सीबीएसई ग्रुप मैथमैटिकल ओलम्पियाड आयोजित कर रहा है।

जीएमओ-2010 दिनांक 5.12.2010 को आयोजित किया गया था जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के 3934 छात्रों ने भाग लिया। इनमें से 138 ने नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथमैटिक्स द्वारा आयोजित आईएनएमओ (इंडियन नेशनल मैथमैटिक्स ओलम्पियाड) के लिए अर्हता प्राप्त की।

विज्ञान प्रदर्शनी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी (जेएनएनएसईसी) की तैयारी के लिए प्रथम चरण के रूप में हर वर्ष छात्रों के लिए राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करती है। इस योजना के अंतर्गत सीबीएसई जेएनएनएसईसी की शुरुआत के रूप में क्षेत्रीय स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करता है।

वर्ष 2010 में 12 स्थानों पर क्षेत्रीय स्तर की प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया और कुल 879 स्कूलों ने भाग लिया। सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी दिनांक 24.10.2010 को एस.डी पब्लिक स्कूल पीतमपुरा, दिल्ली में आयोजित की गई। सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में 156 विद्यालयों ने भाग लिया, जिसका उद्घाटन माननीय मानव संसाधन विकास संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल सिब्बल, भारत सरकार ने किया।

Mathematical Olympiad

Mathematical Olympiad are the competitions conducted by different organizations to identify, encourage, promote and nurture the talent in Mathematics at State, Regional, National and International levels.

After having been accorded the status of an independent group by National Board of Higher Mathematics (NBHM) IN 1997, Central Board of Secondary Education, Delhi has been conducting CBSE Group Mathematical Olympiad for students studying in its affiliated schools.

The GMO 2010 was conducted on 5-12-2010 in which 3934 students from CBSE affiliated schools participated. Out of which 138 qualified for the final round called INMO (Indian National Mathematical Olympiad). Conducted by National Board of Higher Mathematics (NBHM)

Science Exhibition

The National Council of Educational Research and training, New Delhi organizes State Level Science Exhibition for children every year as a part of the first phase of preparation for the Jawaharlal Nehru National Science Exhibition for children (JNNSEC). Under this scheme CBSE organizes Regional level and National level science exhibition as a prelude to the JNNSEC.

In the year 2010 the Regional level exhibitions were conducted at 12 venues and total 879 schools participated. The CBSE National Science Exhibition was conducted on 24/10/2010 at S.D. Public School Pitampura, Delhi. 156 schools participated in the event which was inaugurated by Sh. Kapil Sibal, Honorable Minister of Human Resource and Department, communication and IT Govt. of India.

इग्नाइट-2010

नेशनल इनोवशन फाउंडेशन (एनआईएफ) और सीबीएसई द्वारा आयोजित स्कूली बच्चों की सृजनात्मक एवं नवप्रवर्तनकारी भावना को काम में लगाने के लिए इग्नाइट एक राष्ट्रीय व्यापी अभियान है। सीबीएसई प्रतियोगिता का आयोजित सफलतापूर्वक कर रहा है। इग्नाइट 2010 प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के 161 जिलों के छात्रों ने भाग लिया। कुल 2139 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी जो ऊर्जा, पर्यावरण, परिवहन, सामान्य घरेलू उपयोग की वस्तुएं आदि सेक्टरों से थी। पूर्व राष्ट्रपति डा० ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा आईआईएम अहमदाबाद में एक समारोह में 8 नवम्बर, 2010 को पुरस्कार दिये गये।

इन्फॉरमेटिक्स ओलम्पियाड 2010

इंडियन एसोसिएशन फॉर रिसर्च इन कम्प्यूटिंग साइंस और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पूरे देश और विदेश के कुछ केंद्रों में इंडियन कम्प्यूटिंग ओलम्पियाड (आईसीओ) का संयुक्त रूप से आयोजन करता है।

आईसीओ में परीक्षा के दो दौर शामिल हैं। इन दो दौर के अंत में छात्रों का एक समूह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन किया जाता है जिससे इंटरनशनल ओलम्पियाड इन्फारमेटिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक टीम का चयन किया जाता है।

वर्ष 2010 के लिए परीक्षा का आयोजन भारत में 36 केन्द्रों और विदेश में 03 केन्द्रों पर किया गया। प्रथम दौर में कुल 6048 छात्रों ने भाग लिया जिन में से 244 छात्र दिनांक 22.1.11 को आयोजित दूसरे दौर की परीक्षा के लिए चुने गए।

हैरिटेज इण्डिया क्विज 2010

सीबीएसई हैरिटेज इण्डिया क्विज बोर्ड द्वारा प्रारम्भ किया गया एक समृद्ध क्रियाकलाप है जिसका उद्देश्य बच्चों के मन में देश की समृद्ध विरासत और विविधता के प्रति रुचि और सम्मान उत्पन्न करना है। यह वर्ष

IGNITE- 2010

IGNITE is a National wide Campaign to harness the creative and Innovative Spirit of School children organized by National Innovation Foundation (NIF) and Central Board of Secondary Education. Successive years CBSE has been competition. The IGNITE-2010 contest saw participation of students from 161 districts of 29 States and UTs of the Country. Overall 2139 entries were received, which ranged from sectors like energy environment, transport, general household utility items etc. The award for the Competition were given away at a function by Dr. A.P.J. Abdul Kalam, former President on 8th November 2010 at the IIM, Ahmadabad.

Informatics Olympiad 2010

The Indian Association for research in Computing Science and the Central Board of Secondary Education jointly conduct the Indian Computing Olympiad (ICO) across the country and in few centres abroad.

The ICO consists of two rounds of examinations. At the end of these two rounds, a group of students are be selected for an intensive training programme. The team representing India at the International Olympiad in Informatics (IOI) is selected from this batch.

The Examination for 2010 was conducted in 36 centres in India and 03 centres abroad. Total 6048 students participated in the first round out of which 244 were selected for the second round exam held on 22/1/11.

Heritage India Quiz 2010

The CBSE Heritage India Quiz is one of the enrichment activities initiated by the Board with the objective of inculcating among the students interest and appreciation for the rich heritage and diversity of our country. Started in the

2001 में आरम्भ की गई, जो छात्र समुदाय में जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है।

सीबीएसई हैरिटेज इण्डिया क्वीज 2010 के लिए पंजीकृत 925 विद्यालयों से 2515 छात्र दिनांक 28 अगस्त 2010 को देश तथा विदेश के विभिन्न भागों में स्थित 69 केन्द्रों में आयोजित प्रारम्भिक लिखित परीक्षा में शामिल हुए।

चेन्नई, कोची, पटना, नई दिल्ली, नोएडा, वडोदरा, जयपुर, गुड़गांव, अमृतसर और भुवनेश्वर में आयोजित 12 क्षेत्रीय दौर में 78 टीमों ने भाग लिया जिसमें 12 टीमों सेमीफाइनल में पहुंची।

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय फाइनल में घोषित विजयी टीमें थी :

समर फिल्ड्स स्कूल, गुड़गांव, (विजेता)
दिल्ली पब्लिक स्कूल, डिगबोई, असम, (दूसरा स्थान)
स्प्रिंगडैल्स सी0सै0 स्कूल, अमृतसर, (तीसरा)
न्यू ईरा पब्लिक स्कूल, दिल्ली, (चौथा)

कक्षा 11 और 12 के लिए मनोविज्ञान में पूरक अध्ययन सामग्री का विकास

अध्यापकों और छात्रों के लिए वरिष्ठ विद्यालय स्तर पर मनोविज्ञान में पूरक अध्ययन सामग्री विकसित की गई और बोर्ड की वेबसाइट पर डाली गई।

जैवप्रौद्योगिकी

कक्षा –11 और 12 के लिए जैवप्रौद्योगिकी के पाठ्यचर्या में संशोधन किया गया और तत्पश्चात कक्षा 12 के लिए जैवप्रौद्योगिकी की पाठ्य पुस्तकों और प्रयोगिक नियमावली में भी संशोधन किया गया और पुनः मुद्रण के लिए भेजा गया।

जीवविज्ञान

एनसीईआरटी में वर्ष 2011 में आयोजित सीबीएसई संयुक्त बैठक के अनुसार सीबीएसई पाठ्यचर्या में संशोधन किया गया और पूरक सामग्री तैयार की गई।

year 2001, it has been generating tremendous enthusiasm among the student community.

Out of 925 schools registered for the CBSE-Heritage India Quiz 2010, 2515 students appeared in the preliminary written test held on 28th August 2010 at 69 centres located in all parts of the country and abroad.

The top 78 teams competed in the 12 Regional rounds conducted in Chennai, Kochi, Patna, New Delhi, NOIDA, Vadodara, Jaipur, Gurgaon, Amritsar and Bhubaneswar out of which 12 teams qualified for Semi finals.

The teams declared winners at the National finals held in Delhi were:

Summer Fields School, Gurgaon, (Winner)

Delhi Public School, Digboi, Assam, (Runner up)

Springdales Sr.Sec.School, Amritsar, (Third)

New Era Public School, Delhi, (Fourth)

Development of Supplementary Reading Material in Psychology, Classes XI and XII.

The supplementary reading material in Psychology at senior school stage was developed and hosted on the board's website for teachers and students.

Biotechnology

Curriculum of Biotechnology for class XI and XII was revised and subsequently Text Books of Biotechnology and the Practical Manual for class XII was also revised and sent for reprinting.

Biology

Curriculum of CBSE was revised in accordance with COBSE joint meeting held in 2011 at NCERT and supplementary material prepared.

शारीरिक शिक्षा

प्रधानाचार्यों के लिए नेतृत्व कार्यशाला यूकेईआरआई एवं ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित की गई।

जिओस्पेशियल टेक्नोलोजी

रोल्ता इण्डिया लि०, मुम्बई के सहयोग से एक पैकेज विकसित किया गया।

मुद्रण अधीन पुस्तकें

विषय मेडिकल केयर, फूड प्रोडक्शन, फुड सर्विस, मास मीडिया स्टेडीज एण्ड मास मीडिया प्रोडक्शन जिओस्पेशियल टेक्नोलोजी विषयों पाठ्य पुस्तकें और प्रयोगिक नियम पुस्तकें।

ई-टंकण –अंग्रेजी/हिंदी का आरम्भ

सीबीएसई माध्यमिक स्तर पर कॉमर्स ग्रुप (कोड स० 354)के तहत एक अतिरिक्त विषय के रूप में टंकण-अंग्रेजी/हिंदी का विकल्प है। इसका उद्देश्य सरकारी और गैरसरकारी कार्यालयों में कम्प्यूटर के बढ़ते प्रयोग को पूरा करने के लिए इसे अधिक प्रयोजनमूलक बनाने के उद्देश्य से बोर्ड ने शैक्षिक सत्र 2011-12 से कक्षा 9 में और 2012-13 से कक्षा 10 में टंकण-अंग्रेजी/हिंदी के वर्तमान पाठ्यक्रम को ई-टंकण (इलैक्ट्रॉनिक टंकण)- अंग्रेजी और हिंदी पाठ्यक्रम के साथ बदलने का निश्चय किया।

प्रकाशन

निम्नलिखित विषयों के अतिरिक्त बोर्ड परीक्षा 2011 के लिए कक्षा 9 और 10 के लिए सारांशात्मक निर्धारण-2 के मुख्य विषयों में छात्रों के लिए प्रतिदर्श प्रश्न पत्र तैयार किए गए:

Physical Education

Leadership Workshop for Principals was organised in collaboration with UKERI & British Council.

Geospatial Technology

A package was developed in collaboration with Rolta India Ltd. Mumbai

Books Under Print

TEXT BOOKS and PRACTICAL MANUALS in the subjects of Medical Care, Food Production, Food Service, MASS MEDIA STUDIES & MASS MEDIA PRODUCTION Geospatial Technology

Introduction of E-Typewriting- English and Hindi

CBSE offers Typewriting- English/Hindi (Code No.354) as an additional subject under Commerce Group at Secondary Level. With the purpose to make it more functional to meet the increasing use of computers in government and private offices, the Board decided to replace the existing course of Typewriting – English/Hindi with the course in e-Typewriting (Electronic Typewriting)- English and Hindi from the academic session 2011-12 of Class IX and 2012-13 of Class X.

Publications

Sample Question Papers for students in main subjects for Summative Assessment II, for Classes IX and X. were prepared for Board Examination 2011 besides the following subjects:

कक्षा 12

- मनोविज्ञान
 - हैरिटेज क्राफ्ट
 - ग्राफिक डिजाइन
 - कॉमर्स और मानविकी
- क) माध्यमिक पाठ्यचर्या खण्ड-I, 2012 मुख्य विषय
- ख) वरिष्ठ स्कूल पाठ्यचर्या खण्ड-I, 2012 मुख्य विषय और
- ग) कक्षा 9 और 10 में समाज शास्त्र में सीसीई में रचनात्मक निर्धारण पर शिक्षकों के लिए मैनुअल भी इस अवधि में तैयार किया गया।

अन्य शैक्षणिक प्रयास

- वर्ष 2010-11 में कक्षा 9 और 11 में लागू किए जाने वाली अरेबिक भाषा के लिए पाठ्य सामग्री तैयार की गई।
- इन्फारमेटिक्स प्रैक्टिस के लिए पाठ्य सामग्री तैयार करने की भी कार्यवाही की गई।
- जीवन कौशल, प्रश्न-पत्रों के पेटर्न तथा रचनात्मक निर्धारण कार्यों में बदलाव को शामिल करने के लिए इन्टरएक्ट इन इंगलिश लिटरेचर रीडर, इन्टरएक्ट इन इंगलिश मेन कोर्स बुक तथा इन्टरएक्ट इन वक्र बुक के संबंध में कम्यूनिकेटिव इंगलिश में कोर्स के लिए कक्षा 9 की पाठ्यपुस्तकों को पूर्ण रूप से संशोधित किया।

CLASS XII

- Psychology
 - Heritage Crafts
 - Graphic Design
 - Commerce & Humanities
- a) Secondary Curriculum Vol.-I, 2012 Main Subjects.
- b) Senior School Curriculum Vol.-I, 2012 Main Subjects and
- c) Manual for Teachers on Formative Assessment in CCE in Social Science Class IX and class X was also prepared during this period.

Other Academic Initiatives

- Textual material were prepared in Arabic for classes IX and XI to be introduced in 2010-11
- Preparation of textual material for Informatics practice was also initiated.
- Class IX text books for the course in Communicative English were revised thoroughly in respect of Interact in English Literature Reader, Interact in English Main Course Book, and Interact in English Workshop to include life skills, changes in pattern of questions and formative assessment tasks.

व्यावसायिक शिक्षा

वर्तमान में, बोर्ड ने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को संबंधित क्षेत्रों में हुए नवीनतम विकास क्रमों के साथ सामंजस्य बनाने के लिए विद्यमान 32 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का पुनरीक्षण किया।

- स्वास्थ्य रक्षा विज्ञान, आतिथ्य सत्कार एवं पर्यटन और मिडिया अध्ययन और मिडिया प्रस्तुति में नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए।
- फैशन डिजाइन एवं वस्त्र प्रौद्योगिकी में पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या तैयारी की गई।
- स्वास्थ्य रक्षा विज्ञान की नियमावलियां मुद्रित कराई गई।
- एफएमएम पाठ्यचर्या की पुनरीक्षण किया गया।
- एडुसेट कार्यक्रमों को परिशोधित किया गया।

शारीरिक शिक्षा

बोर्ड ने खेल-कूद में “फिटनेस एण्ड जिम ऑपरेशन” नाम का एक व्यवसायिक पाठ्यक्रम तैयार किया है जो सत्र 2012-13 से +2 स्तर पर लागू होगा।

यह दो वर्ष का पाठ्यक्रम है और इसमें थ्योरी (60 अंक) एवं प्रैक्टिकल (40 अंक) दोनों हैं। मूल य पाठ-विषयक सामग्री भी तैयार है।



Vocational Education

Presently, the Board has undertaken a review of the existing 32 Vocational Courses to make them in consonance with the latest developments in the relevant field.

- New Vocational Courses in Healthcare Sciences, Hospitality and Tourism and Media Studies & Media Production were launched.
- Syllabus and curriculum in Fashion Design and Garment Technology was prepared.
- Manuals in Healthcare Sciences were printed.
- FMM curriculum was reviewed.
- Edusat programmes were revised.

Physical Education

The Board has prepared a vocational course in Sports titled “Fitness & Gym Operation” to be introduced at +2 level from the session 2012-13.

It is a two years course and consists of theory (60 marks) & practical (40 marks). The textual material too is ready.



पाठ्यक्रम को चुनने वाले विद्यालयों के पास पूर्वापेक्षा के अनुसार विद्यालय परिसर में अथवा निकट एक 'जिम' होना चाहिए।

पाठ्यक्रम को चुनने वाले स्कूलों के शारीरिक शिक्षा अध्यापकों को पाठ्यक्रम के लिए दो अभिविन्यास कार्यक्रम दिए जाएंगे। एक कक्षा XI आरम्भ होने से पहले और एक कक्षा XII आरम्भ होने से पहले।

बोर्ड का स्पोर्ट्स में "स्पोर्ट्स जर्नलिज्म" नाम का अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम आरम्भ करने का भी प्रस्ताव है।

खेल-कूद

वर्ष 2010-11 में पूरे भारत में 150 स्थानों पर 15 स्पर्धाओं में सीबीएसई अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसमें स्वतंत्र श्रेणी के विद्यालयों के लगभग 1,00,000 छात्रों ने भाग लिया।

नई शुरुआत "बालिकाओं के लिए फुटबल" का सभी विद्यालयों ने स्वागत किया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया और प्रतियोगिताओं के स्तर की सराहना की।



The schools opting for the course should have a Gym with in the school campus or nearby as a pre requisite.

The Physical Education Teachers of the schools opting for the course will be given two orientation programs. One before starting in class XI and one before starting class XII.

The Board proposes to introduce yet another vocational course in Sports titled "Sports Journalism".

Sports & Games

In the year 2010-2011, the CBSE Inter School Sports & Games were organized in 15 disciplines at nearly 150 venues spread all over India. Nearly 100000 students of Independent category of schools participated in it.

The newly introduced "football for Girls" was well received by all the schools.

Many National & International repute Players of participated in the competitions and praised the standard of competitions.



सीबीएसई चाचा नेहरु खेल पुरस्कार

विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के स्थलों पर चयन समिति ने सीबीएसई चाचा नेहरु खेल पुरस्कार के लिए एथलीटों का चयन किया जिसके अंतर्गत एथलेटिक्स एवं तैराकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन और नए रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए उक्त पुरस्कार दिया जाता है।

पीईसी प्रोग्राम

बोर्ड द्वारा प्राइमरी अध्यापकों के लिए पीईसी में दस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ग्वालियर और दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 800 अध्यापक शामिल हुए।

कक्षा –10 के लिए वैकल्पिक निपुणता परीक्षा

प्रचलित परीक्षा सुधारों के क्रम में स्कूली शिक्षा को सशक्त करने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के साथ निर्धारण पद्धति की बराबरी करने के लिए बोर्ड ने कार्रवाई आरंभ कर दी है। ऐसे उपायों में कक्षा 10 के अंत में अंग्रेजी, हिंदी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के विषयों में एक निपुणता परीक्षा का आयोजन करना शामिल है।

परीक्षाओं के उद्देश्य

- छात्रों के कौशलों और उच्च बौद्धिक योग्यताओं के परीक्षण करने में एक मानक उपलब्ध कराना।
- शैक्षणिक श्रेष्ठता के लिए छात्रों को प्रेरणा देना।
- अधिगम के स्तर के बारे में छात्रों, अभिभावकों तथा विद्यालयों को प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराना और अपने भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं में ध्येय, अग्रताएं और लक्ष्य निर्धारित करना।

CBSE Chacha Nehru Sports Award

The selection committee at various national level venues selected athletes for the CBSE Chacha Nehru Sports Award being given for the outstanding performance and for setting new records in Athletics and Swimming.

PEC Programme

Ten training programs in PEC were organized by the Board for the Primary Teachers. Nearly 800 teachers attended the program held at Gwalior and Delhi.

Optional Proficiency Test for Class-X

As a part of ongoing examination reforms, the Board has initiated series of measures related to strengthening of school education and alligning the assessment practices with international standards. One such measure relates to conduct of Proficiency Test at the end of Class-X in the subjects of English, Hindi, Mathematics, Science and Social Science.

Broad objectives of the tests include

- Providing a benchmark in testing of skills and higher mental abilities of students
- Providing motivation to students for academic excellence
- Providing feedback to students, parents and schools on levels of learning and setting goals, priorities and targets in their future educational plans.

किसी विषय में परीक्षा की सामान्य विशेषताएँ हैं।

- (i) यह वैकल्पिक है।
- (ii) यह कक्षा 9–10 के पाठ्यक्रम पर आधारित बहु विकल्पीय प्रश्न प्रकार की है।
- (iii) दैनिक जीवन की अपरिचित परिस्थितियों के प्रति संकल्पनाओं की समझ को प्रयोग में लाने के लिए प्रश्नों का वर्गीकरण केवल छात्रों के कौशलों और क्षमताओं का आंकलन करने पर केन्द्रित होगा।
- (iv) प्रत्येक परीक्षा ढाई घंटे की समयावधि और 100 अंकों की है।

इस वर्ष की परीक्षा मार्च, 2011 में 10वीं में बैठने वाले छात्रों के लिए देश में भिन्न-भिन्न केंद्रों पर 4 जुलाई से 8 जुलाई, 2011 तक आयोजित की जाएगी।

परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को बोर्ड द्वारा शतमक श्रेणी दर्शाते हुए एक प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

The general features of the test in any subject include:

- (i) It is optional in nature.
- (ii) It is of Multiple Choice Question Type test based on classes IX-X syllabus
- (iii) The typology of questions will focus only on assessing student's skills and abilities to apply understanding of concepts to unfamiliar everyday life situations.
- (iv) Each test is 2½ hours duration and carry 100 marks.

Test for students who appeared in March, 2011 class-X examination will be conducted at different centres in the country from 4th July to 8th July, 2011.

Students appearing in the test will be issued a certificate by the Board indicating percentile rank.